अब शिव रात्री आनें वाली है। बच्चे पूछ रहे है शिव रात्री पर क्या करना है? एक तो गवर्मेन्ट का हालीडे नही है। गजेटिड हालीडे होती है नां। जो चाहें सो छुटी करें। आफिस में आवें नही आवें मनाह नही है। इसको कहा जाता सौतेली वो मातेलो। अब यह गवर्मेन्ट को लिखना भी जरूर है। हम किसीका नुकसान नही करते है। हम तो समझा कर छुटी लेते है। शिव बाबा जो भारत को हर 5000वर्ष बाद आकर वर्सा देते है। स्वर्गका। जो ही सबसे ऊँच भी है। पतित पावन भी है। इसकारनों जरूर मनाना यह तो जो बाप सब का उपकार करते हैं, उनका गवर्मेन्ट अपकार कर रही है। ऐसे बहुत अच्छा लेख बनाना चाहिये। शिव रात्री भी तो मानते है। परन्तु मनुष्यपतित होनें कारण बाप को कोई भी जानते नही है। मनुष्य नां आत्मा को नां परमात्मा बाप को जानते है। इस समय भारत की हालत, इसलिये भारत की खासदुनिया की आम यह हालत हुई है। ड्रामा प्लान अनुसार। कल्प-2ऐसे होता है। यह भी बताना चाहिये यह है संगम युग जो अब चल रहा है। बाप राजयोग सिखा रहे है। जो राज हम प्रदर्शनी दवारा सबको समझा रहे है। ऐसे बाप का तो दिन जरूर मनाना चाहिये। इसमें सारी दुनिया का कल्याण है। बाप तो है ही पतित पावन। लिबरेटर। वो अभी यह सर्विस कर रहे है। हम ब्रह्मा कुमार कुमारियाँ तो प्रजापिता ब्रह्मा की औलाद है। ब्रह्मा है शिव बाबा का बच्चा। हम सूर्यवंशावली ब्राह्मण वर्सा ले रहे है। ऐसे-2लिख कर अखबारों में देना चाहिये। है तो आसुरी सम्प्रदाय। परन्तु शायद मान भी लेवें। भारत को जो बाप स्वर्ग बनाते है उनका नां मनाना माना उपकार करनें वाले बाप पर अपकार करना है। अच्छी ही धूम धाम मचानी चाहिये। परन्तु बच्चों का माया सें आपोजिशन है बहुत। बच्चे अभी इतना योगयुक्त में नही रहते है। इसलिये इतना अटेन्शन नही जाता है। याद में रहें तो सर्विस अच्छी कर सकते है। हर एक जो ब्राह्मण है अपने घर में दीवा जगा सकते है। दीपमाला पर लक्ष्मीसें विनाशी धन मांगते है। यह तो सबका दीप जगानें वाले है। बाप सें बेहद का वर्सा मिलता है। लक्ष्मी से वर्सा नहीं मिलता है। इनसें तो भीख मांगते है। यह है बाप सें वर्सा लेना। यह कोई भीख नही है। बाकी सब है भीख। लक्ष्मी सें मांगना भीख है। बाप तो वर्सा देते है। ऐसे बाप को मनुष्य जानते ही नही है। मनुष्यअगर आत्मा और परमात्मा को ही जानते नही है तो बन्दर सें भी बदतर ठहरे नां। बाप आकर रावण राज्य से सब सिताओं को छुडाते है। कोई भी मनुष्य आत्मा और परमात्मा नही जानते है तो उनको क्या कहेंगें। ऐसे-2ठोकना चाहिये। डरने की कोई बात ही नही है। परमपिता परमात्मा बिना आत्मा और परमात्मा का परिचय कोई दे ही नही सकते है। नां कोई शास्त्रों में है। बाप ही आकर बच्चों को समझाते है। यह है प्रजापिता।वो है सब आत्माओं का बाप। बच्चों को तो वर्सा देना पडे नां। तो ऐसी-2आपस में राय निकालनी चाहिये। जितना हो सकें रड़ियाँ मचानी चाहिये। भारतवासी यह तो इनसल्ट करते है। ग्लानी करते है बाप की। इसलिये ऐसा हाल हुआ है। बाप कहते है तुम मेरी जब ऐसी ग्लानी करत हो तब मुझें आना पड़ता है। फिर भी अपकारियों पर आकर उपकार करता हूँ। ऐसे लिखना चाहिये जो मनुष्य समझें कि यह तो राईट है। ईश्वर सर्वव्यापी हो तो फिर जयन्ती किसकी मनावेंगें।वो तो आकर भारत को स्वर्ग बनाते है। यह नां मालूम होनें कारण सर्वव्यापी कह देते है। पुआईन्टस तो बहुत है। टाईम भी बहुत है। इसलिये सब विचार कर राय निकालो की क्या करना चाहिये। ऐसे-2 लिखना चाहिये। फिर देहली सें राय कर लेंगें। जयन्ती होनी चाहिये एक तो शिव बाबा की। फिर प्रजापिता ब्रह्मा की। क्यों कि शिव बाबा ब्रह्मा दवारा स्थापना करते है। दोनों है मुख्य तें मुख्य। दोनों को मनाते नही है। शिव बाबा ब्रह्मा दवारा ही भारत को स्वर्ग बनाते है। तो इनकी मनानी चाहियें नां। ब्रह्मा और सरसवती की भी मनानी चाहिये। यह है सबसें हाईस्ट आथारटी। अब बाबा तो मुरली में समझाते रहते है। कई बच्चे तो ऐसे भी है जो मुरली भी नही पड़ते है। बाहर में फिर जहाँ जाते है फिर मुरली भी नही पड़ते है। बहुत पुआईन्टस मिस करते है। गफलत करते है बहुत। समझते है कि हम बहुत होशियार हो गयें है।अच्छा मीठे-2सपूत आज्ञाकारी बच्चों को यादप्यार गुडनाईट औ